रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 15 अक्टूबर, 2025

वर्ष 01 | अंक 255 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर दर्दनाक हादसा-चलती बस में लगी आग, 20 से अधिक की मौत, कई घायल

विशेष रिपोर्ट: रणजीत टाइम्स न्यूज़ नेटवर्क

दिनांकः 14 अक्टूबर 2025 | स्थानः जैसलमेर, राजस्थान राजस्थान के जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में चलती बस में अचानक आग लग गई। बस में सवार लगभग 57 यात्रियों में से 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई है, जबकि 16 यात्री गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई।

कैसे हुआ हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस जैसलमेर से जोधपुर की ओर जा रही थी। दोपहर करीब 3:30 बजे बस के पिछले हिस्से से धुआं निकलने लगा। चालक ने बस रोकने का प्रयास किया, लेकिन आग ने पलक झपकते ही पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। यात्रियों ने खिड़कियों और दरवाज़ों से कूदकर जान बचाने की कोशिश की।

राहत और बचाव कार्य

दमकल और पुलिस दल तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकालने में मदद की। घायलों को जोधपुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिला प्रशासन ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए ग्रीन कॉरिडोर बनवाया ताकि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा सके

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने जताया दुःख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा

"जैसलमेर बस दुर्घटना से अत्यंत व्यथित हूं। दिवंगतों के परिजनों के प्रति संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।" उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2,00,000 और घायलों को 50,000 की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौके के लिए रवाना हुए और प्रशासन को पूरी सहायता के निर्देश दिए।

संभावित कारण

प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या इंजन वायरिंग में खराबी को हादसे का कारण माना जा रहा है। फॉरेंसिक टीम मौके पर जांच कर रही है। बस का रजिस्ट्रेशन जोधपुर जिले के एक निजी ट्रांसपोर्टर के नाम से बताया जा रहा है।

घटना स्थल की झलक

घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में बस पूरी तरह जल चुकी है। आसपास भीषण धुआं और जली हुई सीटों के दृश्य दिखे। पुलिस ने हाईवे पर यातायात कुछ घंटों के लिए रोक दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि "आग इतनी तेज़ थी कि कुछ ही मिनटों में बस राख का ढेर बन गई।"

रणजीत टाइम्स की अपील

"यह हादसा हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि सड़क सुरक्षा और वाहन रखरखाव में लापरवाही, कितनी बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती है।"

रणजीत टाइम्स संपादकीय टीम

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की बागली क्षेत्र के लिए कई विकास कार्यों की सौगात दी

संजय प्रेम जोशी

हाटपीपल्या। अपने निर्धारित कार्यक्रम समय अनुसार 14 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में निर्धारित समय 3 बजे से 2 घंटे लेट आने के चलते भी लगभग 45 मिनट का समय मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बागली मंच को दिया ।बागली क्षेत्र और देवास जिले को 95 करोड़ से अधिक रुपए की लागत वाले 18 विकास कार्यक्रमों के लोकार्पण किया। मुख्य रूप से बागली सी एम राइज स्कूल जिसका नाम सांदीपनी आश्रम रखा गया है।उसके लोकार्पण के साथ 63 अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण वन क्लिक से से किया ।

इन योजनाओं में शामिल पेयजल नल जल योजना भीहै ।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि इस नल जल योजना से 134 गांवो को शुद्ध जल पीने को मिलेगा मुख्य घोषणाओं में शामिल बागली से कांटा फोड़ 17 किलोमीटर मार्ग का सड़क निर्माण पिपरी से धारा जी मार्ग का सड़क निर्माण बागली में कन्या एवं बालक छात्रावास जिनकी निर्धारित संख्या 100 छात्र एवं छात्राएं रहेगी सतवास में छात्रावास उपस्थित संख्या 50 से बढ़कर 100 करने की घोषणा की बागली नगर परिषद अध्यक्ष सीमा कमल यादव के आग्रह पर बागली नगर विकास के लिए 10 करोड़ अतिरिक्त देने की घोषणा शामिल रही मंच पर बागली विधायक मुरली भंवरा ने अपने अंदाज में जोरदार स्वागत करते हुए कहा कि मोहन को सबसे प्रिय मुरली है ।और वह बागली विधानसभा को बड़ी सौगात देने आए हैं। इस दौरान मंच पर खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल जटाशंकर महंत बद्री दास महाराज भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष राइ सिंह सेंधव सोनकच्छ विधायक राजेश सोनकर हाटपिपलिया विधायक मनोज चौधरी कन्नौद विधायक आशीष शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल शोभा गोस्वामी माया पटेल संगठन से जुड़े मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव अजय शर्मा बागली नगर परिषद अध्यक्ष सीमा कमल यादव पूर्व विधायक तेज सिंह सेधव सहित कई विशिष्ट अतिथि विशेष रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 12 से अधिक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए कहा कि वह सब का विकास सबका साथ लेकर चल रहे हैं। कार्यक्रम की घोषणा करने के पहले मजाकीया अंदाज में डॉक्टर मोहन यादव ने उपस्थित जन समुदाय से पूछा यह घोषणा करना उचित है या नहीं इस पर आप सदन में सहमति दें प्रत्येक घोषणा पर जोरदार करतल ध्वनि से पंडाल में उपस्थित लोगों ने सहमति देते हुए सभी घोषणाओं का ताली बजाकर स्वागत किया। इस दौरान बागली विधायक मुरली भंवरा ने परंपरागत क्षेत्रीय परिधान मुख्यमंत्री मोहन यादव को दिए और तीर कमान देकर क्षेत्रीय संस्कृति का उपहार दिया। पिपरी से धारा जी मार्ग और बागली से कांटा फोड़ मार्ग की स्वीकृति मिलने पर पिपरी से आए जन समुदाय तथा कांटा फोड़ डेरी बोरी से आए जन समुदाय ने खुशी मना कर डॉक्टर मोहन यादव का आभार व्यक्त किया। मंच से डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि जब उन्होंने हवाई यात्रा के दौरान ऊंचाई से बागली क्षेत्र को देखा तो उनका मन प्रसन्न हो गया यहां का किसान मेहनतकश और समृद्ध साली है। चारों तरफ हरियाली नजर आई भावांतर पर किसानों से कहा वह निराश ना हो इस वर्ष फिर सोयाबीन फसल पर 500 बढ़ा दिए गए हैं। साथ ही पिला मोजेक किट से से नष्ट हुई फसलों का मुआवजा भी दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सिर्फ एक बार ही कांग्रेस का नाम लेते हुए कहा कि कांग्रेस के जवाबदार लोग वाहनों को लाडली बहन योजना की राशि डालने पर कहते हैं कि महिलाएं उस राशि का दुरुपयोग करते हुए शराब में खर्च करती है। मेरा बहनों से निवेदन है। कि जब ऐसे लोग आपके द्वार पर आए तो बताना बहने परिवार की आवश्यकता के खर्च करने के लिए कड़ी मेहनत मजदूरी तक करती है। साथ ही मंच से बागली विधायक मुरली भंवरा ने यह जानकारी भी साझा की 1962 के बाद पहली बार कोई मुख्यमंत्री दीपावली पर्व के दौरान इतनी सौगात लेकर बागली में आए हैं।

भजन गायिका ....

सपना मिश्रा ने दी शुभकामनाएँ

रेणु कैथवास

प्रसिद्ध भजन गायिका सपना मिश्रा ने अपने प्रशंसकों और श्रोताओं को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने बताया कि वह और उनका परिवार प्रतिदिन 'रंजीत टाइम्स' अख़बार पढ़ते हैं और इसे बेहद पसंद करते हैं। सपना मिश्रा ने कहा कि अख़बार में प्रकाशित समाचार निष्पक्ष और जनहित से जुड़े होते हैं, जो उन्हें और उनके परिवार को प्रभावित करते हैं।

भोपाल बाईपास सड़क धंसना

भ्रष्टाचार और लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण : जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज कल सड़कें न केवल गड्ढों से भरी पड़ी हैं, बल्कि वे जानलेवा जाल बन चुकी हैं। कल (भोपाल-इंदौर बाईपास (बिलखिरिया/सूखी सेवनिया) पर हुई भयावह घटना इसका सबसे ताजा उदाहरण है, जहां 305 करोड़ रुपये की लागत से बनी मुख्य सड़क का लगभग 100 मीटर लंबा हिस्सा धंसकर 20 से 30 फीट गहरा खतरनाक गड्ढा बन गया। सौभाग्य से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन यह चमत्कार नहीं, बल्कि संयोग मात्र था। इसी तरह, जुलाई 2025 में एमपी नगर की व्यस्ततम मुख्य सड़क पर 6 से 10 फीट गहरा गड्ढा बनने की घटना ने भी शहर को हिलाकर रख दिया था। ये दोनों घटनाएं राजधानी के प्रमुख मार्गों पर महज कुछ महीनों के अंतराल पर हुई हैं, और ये सड़कें मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) या राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के दायरे में आती हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हुई? क्या यह भ्रष्टाचार नहीं? मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार से सीधा सवाल पूछता हुए कहा- क्या आपकी सरकार सड़कों को बनाने के नाम पर जनता की जान जोखिम में डाल रही है? 12 वर्ष पुरानी इस सड़क पर 650 करोड़ रुपये टोल वसूले जा चुके हैं, लेकिन मरम्मत के नाम पर एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ। सड़क के नीचे पानी भरने की समस्या वर्षों से ज्ञात थी–ग्रामीणों ने असंख्य शिकायतें कीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं। 2013 में बनी सड़क का मेंटेनेंस अनुबंध 2020 में रद्द हो गया, उसके बाद भी निगरानी का नामोनिशान नहीं। एमपीआरडीसी सालाना मरम्मत का दावा करती है, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं। यह सब कुछ 50त्न कमीशन वाली सरकार की नाकामी और भ्रष्ट सिस्टम का प्रतीक है! पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह का हालिया बयान–जब तक सड़कें हैं, गड्ढे रहेंगे–किसी मंत्री का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की हार का ऐलान है। क्या यही है आपकी विकसित मध्य प्रदेश की परिभाषा? जब सड़कें ही धंस रही हैं, तो विकास का दावा कैसे करें?

कांग्रेस पार्टी इन घटनाओं को हल्के में नहीं लेगी- हम मांग करते हैं:

- एमपी नगर (जुलाई 2025) और बिलखिरिया (अक्टूबर 2025) की दोनों घटनाओं की उच्च-स्तरीय न्यायिक या सीबीआई जांच
- गुणवत्ता, भ्रष्टाचार और जिम्मेदारी तय करने के लिए तत्काल जांच समिति गठित हो, जिसमें स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल हों।
- पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह का इस्तीफा- उनकी लापरवाही और असंवेदनशील बयानों के लिए जवाबदेही तय हो।
- तत्काल मरम्मत- प्रभावित सड़कों की मरम्मत 15 दिनों में पूरी की जाए।
- राज्यव्यापी सड़क सुरक्षा अभियान- गड्ढा-मुक्त सड़कों के लिए विशेष फंड और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित हो।

भोपाल में पिछले आठ महीनों में सड़क हादसों में 162 लोग मारे गए और 1473 घायल हुए। मिसरोद थाना इलाके में ही 114 हादसों में 21 मौतें हुईं। पुलिस ट्रेनिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (पीटीआरआई) के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में 13,798 और 2024 में 14,791 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई–यह संख्या 2025 में सितंबर तक और बढ़ चुकी है। खराब सड़कें, गड्ढे और घटिया निर्माण इन मौतों का प्रमुख कारण हैं। भाजपा सरकार की लापरवाही ने मध्य प्रदेश को देश का दूसरा सबसे असुरक्षित राज्य बना दिया है, जहां हर साल सड़क हादसों में मौतें बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री का कड़ा रुख - सिवनी हवाला मनी लूट कांड में 11 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर, 5 हिरासत में

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में 1.45 करोड़ रुपये की हवाला मनी लूट कांड में अब बड़ी कार्रवाई हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के आदेश पर मंगलवार को एसडीओपी पूजा पांडे' सहित 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने 5 आरोपियों को हिरासत में लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखना और नागरिकों की सुरक्षा पुलिस का मुख्य दायित्व है। अपने कर्तव्यों से हटकर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को राज्य सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। कानून सबके लिए समान है, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

इन पुलिसकर्मियों पर दर्ज हुआ मामला– इस प्रकरण में बीएनएस की धारा 310(2) (डकैती), 126(2) (गलत तरीके से रोकना), 140(3) (अपहरण) और 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज हुआ है। हिरासत में लिए गए आरोपी पुलिसकर्मी एसडीओपी पूजा पांडे, एसआई अर्पित भैरम, कॉन्सटेबल योगेंद्र, कॉन्सटेबल नीरज, कॉन्सटेबल जगदीशएफआईआर में शामिल अन्य नाम रधान आरक्षक माखन, प्रधान आरक्षक राजेश जंघेला, आरक्षक रविंद्र उईके, आरक्षक चालक रितेश, गनमैन केदार और गनमैन सदाफल जांच में सामने आया बड़ा खुलासा एफआईआर के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि जबलपुर से नागपुर अवैध रकम (हवाला मनी) जा रही है। चेकिंग के दौरान एमएच 13 ईके 3430 नंबर की क्रेटा कार से 1.45 करोड़ रुपये बरामद किए गए। बताया गया कि जब्ती के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गए थे। 10 अक्टूबर को एसडीओपी पूजा पांडे और टीआई अर्पित भैरम ने यह रकम कोतवाली मालखाने में जमा कराई और इसे जुए-सट्टे की रकम बताया गया। लेकिन बाद में जांच में गड़बड़ियां सामने आईं।

रामायण पाठ पर विवाद: वकीलों संग कार्यक्रम की तैयारी कर रहे अधिवक्ता अनिल मिश्रा, पुलिस पर मंदिर में ताला लगाने का आरोप, ग्वालियर में गरमाया माहौल

ग्वालियर। अधिवक्ता अनिल मिश्रा और पुलिस प्रशासन के बीच तनाव का माहौल तब बन गया जब मिश्रा अपने कुछ साथी वकीलों के साथ सड़क पर रामायण पाठ कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी कर रहे थे। यह कार्यक्रम 15 अक्टूबर को होने वाला था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने कथित रूप से मंदिर में ताला लगाकर आयोजन को रोकने की कोशिश की। इस कदम के बाद स्थानीय स्तर पर माहौल गरमा गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर बहस हुई।

जानकारी के अनुसार, अधिवक्ता अनिल मिश्रा अपने घर के बाहर मंदिर परिसर में रामायण पाठ करने की तैयारी में जुटे थे। तभी पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के हवाले से कार्यक्रम रोकने की बात कही। आरोप है कि पुलिस ने मंदिर के दरवाजे पर ताला जड़ दिया जिससे आयोजन की तैयारी अधर में लटक गई। इस पर मिश्रा और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई और आसपास मौजूद लोगों की भीड़ वहां जमा हो गई। बताया जा रहा है कि यह विवाद उस बयान के बाद सामने आया है जो अनिल मिश्रा ने कुछ दिन पहले डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर दिया था। उनके इस बयान के बाद शहर का माहौल पहले से ही संवेदनशील हो गया था। इसी पृष्ठभूमि में पुलिस प्रशासन ने एहतियात के तौर पर धार्मिक आयोजन पर रोक लगाने का निर्णय लिया। हालांकि अधिवक्ता मिश्रा का कहना है कि वे केवल धार्मिक ग्रंथ का पाठ करने जा रहे थे और प्रशासन का यह रवैया अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। घटना के बाद से ही सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। कुछ लोग पुलिस की कार्रवाई को उचित ठहरा रहे हैं, वहीं कई लोग इसे धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बता रहे हैं। फिलहाल पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने केवल शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठाया है। वहीं दूसरी ओर, अधिवक्ता मिश्रा ने चेतावनी दी है कि अगर पुलिस ने जल्द ताला नहीं खोला और कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्वालियर में इस प्रकरण को लेकर अब माहौल एक बार फिर गर्म होता दिखाई दे रहा है। प्रशासन की ओर से हालात पर नजर रखी जा रही है ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति पैदा न हो।

बड़ा खुलासा: ईओडब्ल्यू ने सेल्समैन के ठिकानों पर मारी छापेमारी, 175 फीसदी आय से अधिक संपत्ति का पर्दाफाश, कार्रवाई अब भी जारी

कटनी। जिले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने मंगलवार सुबह एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। जबलपुर स्थित आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की बीस सदस्यीय टीम ने बड़वारा थाना क्षेत्र के बसारी गांव में सेल्समैन सुशील गुप्ता के तीन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई, जिसने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। टीम ने सुशील गुप्ता के निवास, खेत पर बने मकान और धान मिल पर तड़के दबिश दी और कई घंटों तक तलाशी अभियान चलाया। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के उप पुलिस अधीक्षक मनजीत सिंह ने बताया कि सेल्समैन सुशील गुप्ता के खिलाफ वैध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली थी। प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि उसकी वैध आय की तुलना में संपत्ति 175 प्रतिशत से अधिक है। वर्ष 1991 से 2019 तक उसकी कुल वैध आय लगभग 19 लाख रुपये बताई गई, जबकि उसके पास करीब 56 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति, नकदी और निवेश पाए गए हैं। इनमें शहर और ग्रामीण क्षेत्र में जमीनें, खेत का मकान, गोदाम और आवासीय भवन शामिल हैं। जांच अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, यह अनुपात 300 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। छापेमारी के दौरान टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और नकदी जब्त की। तलाशी में ?35,000 नकद, प्रेम नगर इलाके में एक भूखंड, गांव में एक गोदाम और धान मिल से जुड़े कागजात बरामद हुए। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की टीम अब सभी संपत्ति और बैंक खातों से जुड़े दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर रही है, ताकि वास्तविक आय और संपत्ति के अनुपात का सटीक मूल्यांकन किया जा सके। जानकारी के अनुसार, छापेमारी के दौरान गुप्ता के परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ की गई और संपत्ति से संबंधित रिकॉर्ड का मिलान किया गया। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हलचल मच गई है, क्योंकि एक साधारण सेल्समैन के पास इतनी बड़ी संपत्ति मिलने से लोग हैरान हैं। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जब्त किए गए सभी दस्तावेजों और संपत्तियों की वैधता की जांच के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस छापेमारी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि प्रदेश में छोटे कर्मचारियों और बिक्री कर्मचारियों तक किस तरह भ्रष्टाचार की जड़ें फैल चुकी हैं, जबकि निगरानी तंत्र पूरी तरह सक्रिय होने के बावजूद ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

थाने से 55 लाख कैश और गहने गायब

बालाघाट/ भोपाल (नप्र)। बालाघाट जिला मुख्यालय के कोतवाली थाने में मालखाने में रखे 55 लाख रुपए नकदी और 10 लाख रुपए के सोने-चांदी गहने गायब हो गए हैं। मालखाने का इंचार्ज इन पैसों को जुए में हार गया है। खुलासा तब हुआ जब फरियादी थाने में अपने पैसे लेने पहुंचा। पुलिस ने इस मामले में मालखाना इंचार्ज प्रधान आरक्षक राजीव पंद्रे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। बालाघाट आईजी संजय कुमार ने मीडिया से चर्चा करते हुए इस बात की पुष्टि की है।

टीआई ने पैसे मांगे तो सुसाइड की कोशिश– जानकारी के मुताबिक कोतवाली पुलिस ने ठगी के एक मामले में आरोपियों से 55 लाख रुपए नकद बरामद कर लिए थे। ये रकम और सोने चांदी के कुछ गहने मालखाने में जमा रखे गए थे।

शहडोल में शराब तस्करी का खुला खेल: छत्तीसगढ़ भेजी जा रही शराब पकड़ी ठेकेदार के गुर्गों ने ग्रामीणों से छीनी गाड़ी, पुलिस-आबकारी विभाग बने दर्शक

शहडोल। शहडोल जिले में अवैध शराब तस्करी का गोरखधंधा खुलेआम फल-फूल रहा है और पुलिस तथा आबकारी विभाग इस पर आंख मूंदे बैठे हैं। जिले के जयसिंहनगर क्षेत्र से छत्तीसगढ़ भेजी जा रही अंग्रेजी शराब की एक बड़ी खेप को ग्रामीणों ने अपनी सूझबूझ से पकड़ा, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के चलते ठेकेदार के गुर्गे शराब से भरी गाड़ी छीनकर मौके से फरार हो गए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो ग्रामीणों ने अपने मोबाइल में कैद किया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और जिले भर में चर्चा का विषय बन गया है। पूरा मामला जयसिंहनगर तहसील के ग्राम विनायक का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, शराब तस्कर टेटका बस स्टैंड से जंगल के रास्ते होकर सीधी बॉर्डर के चांटी गांव के रास्ते छत्तीसगढ़ में शराब की सप्लाई कर रहे थे। ग्रामीणों को इसकी भनक लगते ही ग्राम पंचायत विनायक के सरपंच अमृतलाल सिंह ने ग्रामीणों के साथ मिलकर संदिग्ध वाहन क्रमांक ष्टत्त-04-स्त्त-8601 को रोक लिया। जब वाहन की तलाशी ली गई, तो उसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लदी मिली। सरपंच और ग्रामीणों ने तत्काल इस घटना की जानकारी पुलिस हेल्पलाइन और जयसिंहनगर थाने को दी, लेकिन इसके बाद भी पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामवासियों का कहना है कि उन्होंने थाने में पदस्थ एक पुलिसकर्मी विनोद को भी सूचना दी थी, फिर भी घंटों बीत जाने के बाद न तो पुलिस दल मौके पर पहुंचा और न ही किसी वाहन को भेजा गया। इस बीच, कथित शराब ठेकेदार दीपक गुप्ता अपने साथियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचा और ग्रामीणों को डराते-धमकाते हुए शराब से भरी गाड़ी छीनकर भाग निकला। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार के गुर्गे इतने बेखौफ हैं कि उन्हें प्रशासन या कानून का कोई भय नहीं है। इस घटना के बाद ग्राम पंचायत और आसपास के इलाकों में भारी आक्रोश है। सरपंच अमृतलाल सिंह का कहना है कि उन्होंने गांव में नशा मुक्ति अभियान चलाया हुआ है और तस्करी रोकने के लिए कई बार पुलिस को जानकारी दी, लेकिन हर बार पुलिस की लापरवाही के कारण शराब माफिया बच निकलते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जयसिंहनगर से होकर छत्तीसगढ़ तक लंबे समय से यह तस्करी नेटवर्क सक्रिय है और इसमें स्थानीय ठेकेदारों की मिलीभगत के साथ-साथ पुलिस और आबकारी विभाग की भूमिका भी संदिग्ध है। गांव के लोगों का कहना है कि यह घटना केवल प्रशासनिक लापरवाही का नहीं बल्कि तंत्र की निष्क्रियता का प्रमाण है। सवाल यह उठता है कि आखिर शराब ठेकेदारों और तस्करों के हौसले इतने बुलंद क्यों हैं? क्या पुलिस और आबकारी विभाग की शह पर यह कारोबार चल रहा है? ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है और चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। वहीं, प्रशासन की ओर से अब तक इस मामले पर कोई ठोस बयान नहीं आया है। पुलिस और आबकारी विभाग ने जांच की बात जरूर कही है, लेकिन स्थानीय लोग इस पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। शहडोल जिले में खुलेआम चल रहे शराब के इस गोरखधंधे ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब आम नागरिक कानून पालन की कोशिश कर रहे हैं, तब प्रशासन क्यों मौन है।

रणजीत टाइम्स

सचिव संघ द्वारा 3 अगस्त 2023 की घोषणा पर अमल किए जाने की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

संजय प्रेम जोशी

हाटपीपल्या। मंगलवार को बागली में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के आगमन पर सचिव संघ द्वारा 51 किलो वजनी पुष्प माला से स्वागत करते हुए उन्हें मांग पत्र साफा मांग पत्र के माध्यम से उन्होंने अवगत कराया की 3 अगस्त 2023 को भोपाल में (लाल परेड ग्राउंड)आयोजित महापंचायत में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विभिन्न मांगों को पूर्ण करने की घोषणा की थी ।वह मांग अभी तक पूर्ण नहीं हो पाई मध्य प्रदेश सरकार से उम्मीद है कि यह मांग शीघ्र पूर्ण कर मध्य प्रदेश सचिव संघ की पुरानी मांगों को पूर्ण करते हुए मध्य प्रदेश के सभी सचिवों को राहत प्रदान की जाए। अपने निर्धारित कार्यक्रम अनुसार मुख्यमंत्री मोहन यादव बागली में कैलाश जोशी की प्रतिमा पर माल्या अर्पण करने रथ युक्त खुली जीप में प्रतिमा स्थल तक आए रास्ते में मध्य प्रदेश महासचिव संघ द्वारा उनका स्वागत करते हुए ज्ञापन प्रस्तुत किया जिस पर मोहन यादव ने कहा कि वह सीख रही इस पर विचार करते हुए सचिवों की मांग को पूराकरेंगे। इस दौरान देवास जिले से जुड़े संगठन के पदाधिकारी और बागली क्षेत्र के समस्त सचिव उपस्थित रहे।

मुनिगण वंदित मोक्षप्रदायिनी

श्री महालक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त करें सहज योग ध्यान से

परमपूज्य श्री माताजी प्रणित सहज योग महालक्ष्मी पथ है ,जो हमें श्री महालक्ष्मी जी के उत्थान मार्ग पर अग्रसर करता है | सहज योग में दिवाली मनाना यानि अपना अंतस्थित दीप प्रकाशित करना | सहज योग में आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के बाद हमें तत्क्षण निर्विचार समाधि प्राप्त होती है | सुषुम्ना पथ ही महालक्ष्मी पथ है और यही श्री महालक्ष्मी का अंतर पूजन है | इस प्रकार जब हम श्री महालक्ष्मी की पूजा करते हैं तो वे हमें चहुं ओर से आशीर्वादित कर, आनंद प्रदान करती हैं | लक्ष्मी का अर्थ केवल पैसा नहीं है | परमपूज्य श्री माताजी कहते हैं, जब हम लक्ष्मी के स्वरूप को नहीं जान पाते तो हम गलत रास्ते पर जाते हैं | दिवाली का दिन बहुत शुभ माना जाता है | आपको सिर्फ लक्ष्मी जी को अपने हृदय में , अपने चित्त में , अपने मन मंदिर और मस्तिष्क में बिठाना है | उनके श्री चरण कमलों को अपने हृदय में स्थापित कर, आनंददायी चैतन्य लहरियों का अमृत रसपान करना है | जो हमें हमारे सहस्त्रदल कमल से प्राप्त होता है और संपूर्ण शरीर में फैलकर हमें आत्मानंद, निरानंद और अखंड आनंद प्रदान करता है | ये सौंदर्य लहरियां हमें जब प्राप्त होंगी, तो हम उस श्री महालक्ष्मी का हृदय से,भक्तिभाव से गुणगान करेंगे | आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के बाद हर दिन नियमित का ध्यान करेंगे, तो वे सारी अष्टलक्ष्मी हमें आशीर्वादित करेंगी |

अष्टलक्ष्मी में प्रथम हैं - आद्य लक्ष्मी, जो समुद्र से अर्थात जलसे उत्पन्न हुई हैं और जो हमें आत्मसाक्षात्कार से अलंकृत करती हैं | द्वितीय

विद्यालक्ष्मी - हमें आत्मसाक्षात्कार को कैसे संभालना है ये सिखाती हैं | विद्यालक्ष्मी हमें परमेश्वर के इस ज्ञान का सम्मानपूर्वक उपयोग करने का आशीर्वाद प्रदान करती हैं |

तृतीय सौभाग्य लक्ष्मी - ये हमें आत्मज्ञान का सौभाग्य प्रदान करती हैं | सौभाग्य का अर्थ केवल पैसा नहीं, अपितु श्री महालक्ष्मी जी का आशीर्वाद है |

चतुर्थ अमृत लक्ष्मी - ये हमें चैतन्य का अमृत रसपान कराती हैं |आत्मसाक्षात्कार के बाद प्रतिदिन के ध्यान में साधक के सहस्त्रार चक्र से अमृत रस का झरना बहता रहता है ,जो उसे निरोगी काया और दिव्य शिव सानिध्य प्रदान करता है | पंचम गृहलक्ष्मी - हमारे घर मे सुख , शांति ,समाधान, घर के प्रत्येक सदस्य के अंतकरण मे स्थिरता और शांतता का आशीर्वाद प्रदान करती है षष्ठ राजलक्ष्मी - हमें राजपद प्रदान करती हैं, आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति गरिमामय पद्धति से जीवन यापन करता है | उसकी तबियत एक राजा जैसी बन जाती है|

सप्तम सत्य लक्ष्मी - इनके आशीर्वाद से साधक की चेतना में सत्य प्रस्थापित होता है | अष्टम् योग लक्ष्मी - ये हमें योग प्रदान करती हैं । इसी योग लक्ष्मी के कारण हम सभी का परमशक्ति से योग होता है तथा इस का विस्तार हम अन्यान्य लोगों तक कर पाते हैं | ये सारे लक्ष्मी तत्व हमारे हृदय मे विद्यमान हैं परंतु इसकी अभिव्यक्ति हमारे मस्तिष्क से होनी चाहिये | सहज योग हमे एक विशेष व्यक्तित्व प्रदान करता है। सहज योग के इस निर्मल ज्ञान का हमें सम्मानपूर्वक उपयोग करना है | अष्टलक्ष्मी के ये सारे आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आज ही सहजयोग ध्यान का अनुभव प्राप्त करें। सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

वेदांश इंटरनेशनल स्कूल इंदौर एवं वेदांश टेबल टेनिस अकैडमी द्वारा टेबल टेनिस कार्निवल दिनांक 10 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक वेदांत इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया गया

स्पर्धा में लगभग १३० खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्ग अंडर १३ अंडर 17, पुरुष एवं महिला वर्ग, तथा कॉरपोरेट टीम मुकाबले और खुले मुकाबला खेले गए। स्पर्धा में वेटरन्स वर्ग के टीम मुकाबले भी खेले गए , इन मुकाबलों मे अभ्यप्रशाल, इंदौर टेनिस क्लब, सयाजी क्लब ,विद्युत मंडल ,मल्हार क्रीड़ा मंडल , डी आर पी लाइन, संगम नगर इंदौर के खिलाड़ियों ने इस स्पर्धा में भाग लिया।

स्पर्धा मे कुल 125 खिलाड़ियों द्वारा भाग लिया गया। स्पर्धा का पुरस्कार वितरण मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष श्री ओम सोनी जी के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मध्य प्रदेश वेटरेनस संगठन के सचिव

श्री गौरव पटेल भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रतिश जंजीर द्वारा किया गया एवं स्पर्धा की जानकारी दी गई तथा उन्होंने जानकारी दी कि इंदौर के इस क्षेत्र मे वेदांश इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से टेबल टेनिस एकेडमी शुरू की जा रही हैं। एकेडमी मे प्रतीश जंजीरें द्वारा प्रशिक्षण दिया जावेगा ।स्पर्धा में खेले गए विभिन वर्गों मुकाबलों के परिणाम इस प्रकार रहे।

बॉयस अंडर १३
विजेता समीर सैयद
उपविजेता मृदुल पुरोहित
बालिका वर्ग अंडर १३
विजेता आरवी जैन
उपविजेत। आकांक्षा ठाकुर
बालक वर्ग अंडर १७
विजेता समीर सैयद
उपविजेता मयंक साड़ेल
महिला वर्ग
विजेता सोमैया सुल्तान
उपविजेता अंशिका महाजन
पुरुष वर्ग
विजेता रिदम गढ़िया
उपविजेता अबू बकर
कॉरपोरेट ग्रुप।
पुरुष विजेता कुणाल गजभिए
उपविजेता। राहुल जैन
कॉरपोरेट युगल
विजेता राहुल जैन
एवं नितिन खाब्या
उपविजेता।
कुणाल गजभिए एवं साज्जद।
कॉरपोरेट टीम
विजेता मृदुल, दिव्या

स्पर्धा में प्रशांत महंत एवं राहुल जैन को उत्कृष्ट खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया श्री प्रकाश भालेराव जितेंद्र भंडिया विभूति शर्मा उपस्थित थे।

वैज्ञानिकों ने खोजा शरीर का 'मास्टर स्विच'...

पिछले कुछ वर्षों से जो नोबेल सम्मान घोषित हो रहे हैं, उनमें इस समय मानव जाति के कल्याण को प्रोत्साहित करने वाला चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार है। इस बार अमेरिका और जापान के वैज्ञानिकों के नाम 'मेडिसिन' के लिए इस सम्मान की घोषणा हुई। उनके नाम हैं मैरी ई ब्रांको, फ्रैड रैंच डेल और शिमोन साकागुची। इन विद्वान वैज्ञानिकों ने न केवल इंसान के 'इम्यून सिस्टम' यानी रोग प्रतिरक्षा तंत्र को बढ़ाने के मामले में शोध किया है, बल्कि मनुष्य के अंदर प्रतिरक्षा तंत्र से जूझने वाली शत्रु कोशिकाओं को भी बेअसर किया और बाहर से इंसान के प्रतिरक्षा तंत्र पर कोई हमला न कर दे, इसके लिए 'मास्टर स्विच' भी खोजा है। इन तीनों वैज्ञानिकों का मुख्य शोध या अध्ययन कैंसर और मधुमेह में रहा और वे इसमें नए शोध को सामने लाने का प्रयास भी कर रहे हैं। इस युगांतकारी विश्लेषण को आसान शब्दों में समझने के लिए हम कह सकते हैं कि खास तरह की कोशिका प्रतिरक्षा तंत्र को इंसानी शरीर को अपने अंदर तलाश करना होता है और अगर गलती से कोई कोशिका इस तंत्र की ताकत को समझ न पाने के कारण उस पर हमला कर दे, तो वे उसे रोक सकते हैं।

सुरेश सेठ

अपने भीतर रोगों से बचाव की क्षमता बढ़ाने की चाह कौन नहीं करता? जहां तक भारत का सवाल है, तो यहां देश के कोने-कोने में लोगों को असाध्य रोगों से बचाने के लिए क्षमता विकसित करने के ऐसे प्रयास किए गए कि वह स्वास्थ्य के एक ढांचे के रूप में वास्तविक हितकारी साबित होने के बजाय नेताओं के लिए प्रचार पाने के ही काम आए। फिर भी चिकित्सा के क्षेत्र में हमारा देश किसी से कम नहीं है, लेकिन यह भी तथ्य है कि देश के निर्धन लोगों के लिए बीमार हो जाने पर उनका जीना मुहाल हो जाता है।

सरकार ने केंद्रीय और राज्य स्तर पर बहुत-सी मुफ्त उपचार बीमा योजनाएं भी शुरू कर रखी हैं। वृद्धों को भी उनकी बीमारियों की स्थिति में संरक्षण दिया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा योजना भी शुरू की जा चुकी है। इससे इतर, पंजाब सरकार ने भी ऐसी चिकित्सा बीमा योजना राज्य के हर परिवार के लिए घोषित कर रखी है। हालांकि देश में जहां वरिष्ठ नागरिकों के लिए योजना के तहत पांच लाख रुपए की राशि तय की गई है, वहीं पंजाब में इसे दस लाख रुपए तक रखा गया है।

जब इस तरह की योजनाएं घोषित होने के बाद लागू होती हैं, तो आम आदमी खुश हो जाता है। उसे लगता है कि निजी क्षेत्र में चलाए जाने वाले बड़े अस्पतालों के भारी-भरकम बिल से उसे छुटकारा मिल जाएगा। वह अपने आप को ऐसा भाग्यवान नागरिक मान सकता है, जिसे कभी कोई रोग लग जाए, तो उसके निदान और उपचार का दायित्व सरकार के ऊपर रहेगा। संबंधित स्वास्थ्य कार्ड दिखाते ही मुफ्त इलाज हो जाएगा। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ अलग है।

अब भी सार्वजनिक क्षेत्र में चलने वाले सरकारी अस्पताल या पंजाब में चलाए गए मोहल्ला क्लिनिक बेहतर उपचार का वचन तो देते हैं, लेकिन बहुत बार ऐसे वचन पूरे होते नजर नहीं आते। दरअसल, निजी अस्पतालों का कहना है कि जब वे स्वास्थ्य कार्ड वाले मरीजों का उपचार करते हैं, तो सरकार की ओर से तुरंत भुगतान नहीं किया जाता। इसलिए कई बार निजी अस्पताल मरीजों को दाखिल करने से इनकार कर देते हैं।

कभी तपेदिक यानी टीबी से लोग बहुत डरते थे। इसे जानलेवा समझकर किसी आरोग्य आश्रम में रहने लगते थे। अब यह रोग नियंत्रित हो गया है। बिल्कुल यही हाल डेंगू बुखार का भी हो गया है। कोरोना ने दो साल तक मानव जाति को जिस प्रकार आर्थिक और सामाजिक संकट में डाला, उसे भी कोई भूल नहीं सकता। इस संदर्भ में देखें तो किसी भी नए मौलिक या उपयोगी काम के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार नोबेल सम्मान को माना जाता है।

पिछले कुछ वर्षों से जो नोबेल सम्मान घोषित हो रहे हैं, उनमें इस समय मानव जाति के कल्याण को प्रोत्साहित करने वाला चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार है। इस बार अमेरिका और जापान के वैज्ञानिकों के नाम 'मेडिसिन' के लिए इस सम्मान की घोषणा हुई। उनके नाम हैं मैरी ई ब्रांको, फ्रैड रैंच डेल और शिमोन साकागुची। इन विद्वान वैज्ञानिकों ने न केवल इंसान के 'इम्यून सिस्टम' यानी रोग प्रतिरक्षा तंत्र को बढ़ाने के

मामले में शोध किया है, बल्कि मनुष्य के अंदर प्रतिरक्षा तंत्र से जूझने वाली शत्रु कोशिकाओं को भी बेअसर किया और बाहर से इंसान के प्रतिरक्षा तंत्र पर कोई हमला न कर दे, इसके लिए 'मास्टर स्विच' भी खोजा है।

इन तीनों वैज्ञानिकों का मुख्य शोध या अध्ययन कैंसर और मधुमेह में रहा और वे इसमें नए शोध को सामने लाने का प्रयास भी कर रहे हैं। इस युगांतकारी विश्लेषण को आसान शब्दों में समझने के लिए हम कह सकते हैं कि खास तरह की कोशिका प्रतिरक्षा तंत्र को इंसानी शरीर को अपने अंदर तलाश करना होता है और अगर गलती से कोई कोशिका इस तंत्र की ताकत को समझ न पाने के कारण उस पर हमला कर दे, तो वे उसे रोक सकते हैं। यानी ये खोज बताती है कि हमारे शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र और उसकी प्रतिक्रिया कैसे नियंत्रित होती है। साथ ही, कहां यह प्रणाली गड़बड़ हो जाती है और अपने मूल प्रतिरक्षा तंत्र तक कैसे पहुंचा जा सकता है।

यानी यह इलाज का एक नया तरीका है। इसे एक क्रांतिकारी बदलाव भी कह सकते हैं। यह रोग प्रतिरक्षा प्रणाली हमारे शरीर में हजारों किस्म के जीवाणुओं को घुसने से रोकती है। ये जीवाणु मानव कोशिकाओं जैसे होते हैं और यह समझना मुश्किल हो जाता है कि शरीर में हजारों कोशिकाओं में से कौन शरीर का बचाव करेगा और कौन शरीर का दुश्मन बन जाएगा। यों यह प्रतिरक्षा तंत्र को बड़ी सुरक्षा है, जो बाहर से आने वाले रोगों, विषाणु या जीवाणु को रोकता है, मारता है। लेकिन गड़बड़ यह है कि कई बार ये 'सुरक्षा सेना' अपने ही शरीर के छिपे विषाणुओं को पहचान नहीं पाती।

अब पुरस्कार प्राप्त तीनों वैज्ञानिकों की भूमिका पर गौर किया जाए, तो सन् 1995 में शिमोन साकागुची ने शरीर में मौजूद 'शांति रक्षक सैनिक' यानी सुरक्षा कोशिकाओं की तलाश की। इन कोशिकाओं का ताल्लुक लड़ाई शुरू करना नहीं, बल्कि अन्य हमलावर कोशिकाओं को रोकना है।

यह भी देखना है कि ये कोशिकाएं रास्ता भटककर अपने ही शरीर की हानि न पहुंचा दें। यह एक स्थापित ज्ञान को चुनौती थी, क्योंकि प्राय: उपचार विशेषज्ञ यह समझते थे कि जो प्रतिरक्षा तंत्र हमारे शरीर में है, वह हमेशा लाभदायक होता है और उससे संक्रमण का कोई डर नहीं है, बल्कि यह बाहर से होने वाले संक्रमण से बचाता है। इसका अर्थ यह है कि इन तीनों वैज्ञानिकों ने और विशेषकर शिमोन साकागुची ने यह बताया कि हर शरीर में एक सहन करने वाली ताकत भी बन जाती है। यह केंद्रीय सहन करने वाली ताकत है।

यह खोज बहुत समय से हो रही थी। वर्ष 2001 में इसके लिए एक 'मास्टर कवच' खोजा गया, जिसने पाया कि प्रतिरक्षा प्रणाली अगर बेकाबू हो जाए तो अपने ही शरीर को नुकसान पहुंचाने लगती है। अगर यह अनियंत्रित रहे तो इंसानी शरीर में 'आइपैक्स सिंड्रोम' भी पैदा हो सकता है। इन तीनों वैज्ञानिकों का शोध बहुत मूल्यवान है, क्योंकि इसके जरिए बड़ी तेजी से बीमारियों की जड़ तक पहुंचा जा सकता है और इलाज के नए तरीके भी विकसित किए जा सकते हैं।

इस समय इन 'टी सेल' के दो सौ चिकित्सीय परीक्षण चल रहे हैं। इसके निष्कर्ष आने में अभी वक्त है, लेकिन ये परीक्षण निश्चित रूप से इस प्रतिरक्षा प्रणाली की उपादेयता के हक में होंगे। मगर कैंसर की कोशिकाएं जैसी कुछ असाध्य बीमारियां, जो आजकल आदमी को मौत का संदेश लगती हैं, उन्हें 'रेगुलेटरी टी सेल' पहचानने और खत्म करने में भूमिका निभा सकते हैं। एक और बड़ी चुनौती तब आती है, जब अंग प्रत्यारोपण करना पड़ता है। जैसे घुटनों को बदलना या गुर्दा और यकृत के दानकर्ताओं से दान लेकर रोगी व्यक्ति को लगाना।

चिंता की बात यह है कि प्रत्यारोपित गुर्दा या यकृत कई बार नए शरीर को स्वीकारने से इनकार कर देता है। अब अगला कदम इन चिकित्सा विशेषज्ञों का यह है कि अगर ऐसे अंगों का प्रत्यारोपण होता है, तो वह शरीर के साथ पूरी तरह सहज हो जाए। इस तरह, खून या अंगों के न मिलने को विज्ञान की यह प्रगति सहज और सुलभ बना सकती है।

संपादकीय

कूटनीति बनाम मूल्यों की लड़ाई...

भारत में महिला सशक्तीकरण की तस्वीर को सिर्फ इतने से समझा जा सकता है कि आज यहां महिलाएं अमूमन हर क्षेत्र में पुरुषों के समकक्ष खड़ी हैं। वे किसी भी जिम्मेदारी या दायित्व के मामले में बेहतरीन नतीजे दे सकती हैं। मगर चाहे-अनचाहे कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें महिलाओं के खिलाफ दुराग्रह आम दिखते हैं।

गौरतलब है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने अपने भारत दौरे के क्रम में नई दिल्ली में शुक्रवार को जो संवाददाता सम्मेलन किया, उससे महिला पत्रकारों को बाहर रखा गया। जिस दौर में भारत की बहुत सारी महिला पत्रकार देश-दुनिया की मुख्यधारा की पत्रकारिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कर रही हैं, वैसे समय में किसी देश के विदेश मंत्री से सवाल करने वालों के बीच उन्हें जगह नहीं दी जाए, तो यह न केवल सामान्य औपचारिकता के खिलाफ है, बल्कि पत्रकारिता के मोर्चे पर बेहद सक्षम रही महिलाओं को कमजोर मानने की तरह है।

यह संभव है कि किसी देश के दूतावास के परिसर के संदर्भ में जो नियम-कायदे लागू होते हैं, उसके मुताबिक मेजबान देश के दखल की एक सीमा होगी। मगर यह विचित्र है कि संवाददाता सम्मेलन से महिला पत्रकारों को बाहर रखने के मसले पर सरकार की ओर से कोई औपचारिक विरोध दर्ज नहीं किया गया।

इस मुद्दे के तूल पकड़ने के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक स्पष्टीकरण जरूर जारी किया कि इस संवाददाता सम्मेलन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी ! सवालों से घिरने के बाद रविवार

को मुत्ताकी के एक और संवाददाता सम्मेलन में महिला पत्रकारों को भी बुलाया गया। इसे सिर्फ गलती में सुधार की कोशिश ही कहा जा सकता है !

इससे पहले के संवाददाता सम्मेलन में महिलाओं को बाहर रखने के पीछे की मानसिकता सवालों से परे नहीं हो जाती। दुनिया भर में भू-राजनीतिक तकाजों के मुताबिक रणनीतिक रूप से किसी अन्य देश के साथ संवाद और संबंध के ऐसे प्रारूप तय किए जा सकते हैं, जिससे अपने देश के हित सुनिश्चित किए जा सकें। आतंकवाद के मोर्चे पर अफगानिस्तान के साथ संवाद कायम करना भारत के हित में हो सकता है, लेकिन इस क्रम में तालिबान के वैचारिक मानदंडों या मानसिकता को जगह देना कितना सही माना जा सकता है। अफगानिस्तान में वर्ष 2021 में सत्ता में आने के बाद तालिबान की सरकार की राजनीतिक विचारधारा और सामाजिक सोच से जुड़े पूर्वाग्रह छिपे नहीं रहे हैं। खासतौर पर महिलाओं के जीवन को लेकर उसकी संकीर्णता जगजाहिर रही है। अफगानिस्तान की महिलाओं और उनके मानव अधिकारों पर चोट करने वाली तालिबान की मानसिकता पर भारत में एक ठोस विरोध रहा है। मगर तमाम प्रगतिशील मूल्यों और अपेक्षाओं को दरकिनार करके तालिबान ने अफगानिस्तान की महिलाओं की शिक्षा और नौकरी से लेकर सार्वजनिक गतिविधियों तक को नियम-कायदे बना कर नियंत्रित किया। सवाल है कि अफगानिस्तान में अपनी वैचारिक राजनीति को मनचाहे तरीके से लागू करने वाले तालिबान को भारत में वैसा कर पाने की सुविधा कैसे मिली।

कायदे से संवाददाता सम्मेलन से महिलाओं को बाहर रखे जाने के मुद्दे पर सरकार से लेकर वहां गए पत्रकारों की ओर से भी आपत्ति उठनी चाहिए थी। महिलाओं के अधिकारों और उनके सशक्तीकरण के सवाल पर प्रगतिशील मूल्यों का वाहक रहे भारत में महिलाओं को दोयम समझने वाले किसी संकीर्ण मानदंडों की जगह नहीं होनी चाहिए।

त्यौहारों के दौरान बेहतर यातायात व्यवस्था हेतु, डीसीपी सहित अधिकारियों ने किया राजवाड़ा क्षेत्र के बाजारों में निरीक्षण

मार्ग डायवर्शन, पार्किंग व्यवस्था सहित बाजार व्यवस्था का लिया जायजा

इंदौर। आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए शहर में सुचारू एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में, अति पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर. के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में बेहतर यातायात प्रबंधन हेतु यातायात पुलिस द्वारा निरंतर प्रभावी कार्यवाही व बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को पुलिस उपायुक्त आनंद कलादगी द्वारा राजवाड़ा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बाजार क्षेत्र की मार्ग, डायवर्शन, पार्किंग व्यवस्था एवं यातायात संचालन प्रणाली का जायजा लिया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सन्तोष कुमार कौल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दिशेष अग्रवाल, सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती रेखा सिंह परिहार, थाना प्रभारी यातायात पश्चिम सुश्री राधा यादव, थाना प्रभारी सराफा राजकुमार लटोरिया एवं अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

राजवाड़ा क्षेत्र के प्रमुख ट्रैफिक डायवर्शन पॉइंट्स-

मल्हारगंज थाना टी, छिपा बाखल गली, गोवर्धन टेलर तिराहा, गोराकुंड चौराहा, सुभाष चौक पानी की टंकी, महेश जोशी तिराहा, सुभाष चौक, इमली बाजार चौराहा, मालगंज चौराहा, नरसिंह बाजार चौराहा, जी. सच्चिदानंद तिराहा, पीपली बाजार तिराहा, यशवंत रोड चौराहा, आडा बाजार चौक, मच्छी बाजार चौक, पंढरीनाथ मंदिर चौक, रेशम गली, नंदलालपुरा चौक, संजय सेतु, फरूट मार्केट, हेमिल्टन रोड, मृगनयनी चौराहा एवं नगर निगम चौराहा शामिल हैं।

विशेष दिशा-निर्देश एवं व्यवस्था

राजवाड़ा, सराफा, एम.जी. रोड सहित अन्य बाजार क्षेत्रों में अतिरिक्त यातायात बल की तैनाती की गई है।

बढ़ती भीड़ को देखते हुए पिक ऑवर्स में दोपहिया और चारपहिया वाहनों का प्रवेश आवश्यकता अनुसार प्रतिबंधित रहेगा। वन-वे नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा तथा उल्लंघन करने वालों पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी। ई-रिक्शा एवं भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जिन स्ट्रीट वेंडर्स द्वारा दुकानों को सड़क तक फैलाया गया था, उनसे सामान पीछे लगाने का अनुरोध किया गया। व्यापारी संगठनों एवं बाजार समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर पार्किंग, पैदल मार्ग एवं भीड़ नियंत्रण पर संयुक्त कार्य किया जाएगा। पार्किंग स्थलों एवं डायवर्शन मार्गों की जानकारी हेतु अनाउंसमेंट सिस्टम से लगातार जागरूकता की जा रही है। यातायात पुलिस इंदौर द्वारा आमजन से अनुरोध है कि वे त्योहारों के दौरान यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़ा करें और पुलिस के निर्देशों का सहयोगपूर्वक पालन कर यातायात व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग दें।

जनसुनवाई में आम लोगों की सुनी समस्याएं: इंदौर पुलिस कमिश्नर ने दिए तत्काल समाधान के निर्देश, 54 शिकायतें हुईं दर्ज

इंदौर। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण और उनकी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से हर मंगलवार को आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में आज इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने खुद आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। यह जनसुनवाई 14 अक्टूबर 2025 को पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह सहित सभी ज़ोन के अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई के दौरान कुल 54 शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतें दर्ज करना नहीं, बल्कि पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना है। जनसुनवाई में अधिकतर मामले आपसी विवाद, धोखाधड़ी, भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, महिला उत्पीड़न और अन्य अपराधों से संबंधित रहे। पुलिस कमिश्नर ने ऐसे सभी प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए थाना प्रभारियों और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि हर शिकायत को प्राथमिकता से लेकर निष्पक्ष जांच की जाए, ताकि नागरिकों का पुलिस प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो सके। इसके अलावा, जिन शिकायतों का संबंध अन्य विभागों से था, उनके आवेदकों को संबंधित विभाग से संपर्क कर समाधान करवाने की सलाह दी गई। पुलिस आयुक्त ने जनसुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों को भरोसा दिलाया कि किसी भी तरह की समस्या या अन्याय होने पर वे बेहिचक पुलिस से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंदौर पुलिस प्रशासन आम नागरिकों की सुरक्षा और सहायता के लिए हर समय तत्पर है और जनसुनवाई जैसी पहलें आमजन और पुलिस के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम हैं। पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि यदि किसी भी शिकायत के समाधान में लापरवाही बरती गई, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस तरह, इंदौर पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई न केवल समस्याओं के समाधान का मंच साबित हुई, बल्कि आम नागरिकों को यह संदेश भी दिया कि उनका प्रशासन उनकी बात सुनने और उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

दीपावली से पहले बढ़ा कचरे का दबाव हर दिन निकल रहा 1400 टन कचरा

इंदौर। दीपावली की सफाई मुहिम के चलते शहर में घरों और दुकानों से भारी मात्रा में कचरा निकल रहा है। नगर निगम के लिए यह स्थिति चुनौती बन गई है, क्योंकि कई वार्डों में पहले से लगाए गए संसाधन कम पड़ने लगे हैं। ऐसे में निगम को अपने वर्कशॉप से अतिरिक्त वाहन और स्टाफ भेजना पड़ा है, ताकि बढ़ते कचरे को समय पर उठाया जा सके। सुबह से लेकर देर रात तक हल्ला गाड़ियां और बड़े वाहन लगातार सड़कों पर दौड़ रहे हैं और शहर के हर कोने से कचरा एकत्र कर रहे हैं।

नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार, सामान्य दिनों में शहर से 1100 से 1200 टन तक कचरा निकलता है, लेकिन दीपावली से पहले यह मात्रा बढ़कर 1350 से 1400 टन प्रतिदिन पहुंच गई है। इस अतिरिक्त कचरे को संभालने के लिए निगम ने 150 से अधिक अतिरिक्त वाहन लगाए हैं। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर भी अब हर दिन हजारों टन कचरा जमा हो रहा है, जिससे वहां भी सफाईकर्मियों का दबाव बढ़ गया है। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम हर साल दीपावली से पहले सफाई की तैयारी करती है, ताकि त्योहार के दौरान परेशानी न हो। इसके बावजूद इस बार पूर्व तैयारियां नाकाफी साबित हुईं। कई वार्डों में अतिरिक्त हल्ला गाड़ियां और बड़ी ट्रकें लगानी पड़ीं, क्योंकि वार्डों से आने वाला कचरा गाड़ियों को पूरी तरह भर दे रहा है। बाजार और मुख्य मार्गों पर भी सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग एकत्र करने के लिए विशेष वाहन लगाए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि घरों से लेकर व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक से निकलने वाला कचरा अब सीधे ट्रांसफर स्टेशन या ट्रेंचिंग ग्राउंड तक भेजा जा रहा है। वहां भी अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है, ताकि कचरे का ढेर न लगने पाए।

स्वास्थ्य विभाग के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया ने बताया कि दिवाली के पहले शहर में रोजाना निकलने वाला कचरा अब सामान्य दिनों से लगभग दो सौ टन अधिक हो चुका है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे कचरा निर्धारित समय पर गाड़ियों को ही दें और सफाई व्यवस्था में सहयोग करें।

फायर एनओसी सहित अन्य जांच कर सीएमएचओ अपनी रिपोर्ट दें

फर्जी दस्तावेज तैयार कर कई हॉस्पिटल्स को मान्यता दिलाई

इंदौर। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने शहर के निजी अस्पतालों की जांच के आदेश दिए। हाईकोर्ट ने कहा कि इंदौर के सभी अस्पतालों में फायर एनओसी सहित अन्य जांच की जाए। हाईकोर्ट ने नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग को नोटिस जारी किए हैं। हाईकोर्ट इंदौर खंडपीठ में डबल बैंच के जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस विनोद कुमार द्विवेदी ने यह आदेश सोमवार को जारी किया। उन्होंने याचिका की सुनवाई करते हुए मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित भी किया। याचिकाकर्ता चर्चित शास्त्री ने बताया कि हवा बंगला रोड स्थित अविरल हॉस्पिटल संचालकों ने कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर अस्पताल का रजिस्ट्रेशन करा लिया। इस तरह संचालकों द्वारा अवैध भवन में अस्पताल संचालित किया जा रहा था। हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उक्त याचिका को जनहित याचिका के तहत सुनने निर्णय लिया। इतना ही नहीं अवैध अस्पताल को तत्काल सीज करने व भर्ती सभी मरीजों को अस्पताल से नजदीक किसी भी शासकीय अथवा प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करने के आदेश दिए। स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ

अधिकारी शिवेंद्र अवस्थी पर फर्जीवाड़े का बड़ा आरोप सामने आया है। पिछले 8 वर्षों से विभाग में पदस्थ अवस्थी पर आरोप है कि उन्होंने कई सरकारी दस्तावेजों की कूट रचना कर फर्जी हॉस्पिटलों को अनुमति दिलाई। जानकारी के अनुसार, अवस्थी ने नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और ग्राम पंचायत के दस्तावेजों को फर्जी तरीके से तैयार कर लाखों रुपए लेकर हॉस्पिटल्स को मान्यता दिलाई। इस बीच, उनकी व्हाट्सएप चैटिंग भी वायरल हुई है, जिसमें करीब छह अस्पतालों के फर्जी दस्तावेज तैयार करने की बातें नजर आ रही हैं। इन अस्पतालों में अविरल हॉस्पिटल, तुलसी वरदान हॉस्पिटल, ब्रिथ केयर हॉस्पिटल, शेख हबीब हॉस्पिटल, पल्स हॉस्पिटल और लेडी हलीमा हॉस्पिटल शामिल बताए जा रहे हैं। जबलपुर हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में इस मामले में याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता अधिवक्ता चर्चित शास्त्री ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्होंने अविरल हॉस्पिटल के मामले में निजी याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने जनहित याचिका में बदलते हुए शहर के कई अस्पतालों की जांच के आदेश स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों को दिए हैं। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद विभाग अब मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है। शिवेंद्र अवस्थी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है, ताकि फर्जीवाड़े में शामिल अन्य व्यक्तियों और हॉस्पिटल्स का भी खुलासा हो सके।

निगम ने ड्रेनेज के लिए खोदी सड़क बाद में दुरुस्त नहीं की

इंदौर। प्रमुख रहवासी कॉलोनी और सड़कों में ड्रेनेज लाइन डालने के लिए की गई खुदाई लोगों के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है। खुदाई से सड़कों के किनारे न सिर्फ मिट्टी फैली हुई है बल्कि इन सड़कों पर चलने वाली गाड़ियों से यहां धूल मिट्टी के गुबार उड़ रहे हैं। बताया जा रहा है कि करीब डेढ़ दर्जन से अधिक ऐसी कॉलोनियां है, जहां ड्रेनेज के लिए खुदाई की गई लेकिन बाद में मेंटेनेंस नहीं किया गया है। जानकारी अनुसार शहर में जहां ड्रेनेज लाइन के लिए खुदाई की गई है वह कॉलोनी या एक क्षेत्र में न होकर पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण सभी क्षेत्र में है। यहां के रहवासियों का कहना है कि नगर निगम ने जून में ड्रेनेज लाइन बिछाने की घोषणा की थी और जगह-जगह सड़कें भी खोद दी गईं। हालांकि तीन महीने बीत जाने के बाद भी न तो पाइप लाइन बिछाई गई और न ही सड़कें दुरुस्त की गई हैं। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी बदतर हो गई थी, जब गंदा पानी घरों के सामने जमा हो गया। प्रमुख प्रभावित कॉलोनियों में शामिल हैं स्कीम नंबर 78, स्कीम 94, महालक्ष्मी नगर, सिल्वर स्प्रिंग, सुदामा नगर, हीरानगर, संजय नगर, ओम विहार, सपना-संगीता रोड के पास की कॉलोनियां आदि। इन क्षेत्रों के निवासियों ने कई बार नगर निगम कार्यालय में शिकायत की, लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला। रहवासियों का कहना है कि पहले तो सड़क खुदवाकर हमें धूल और गड्ढों में जीने को मजबूर कर दिया और अब तीन महीने हो गए हैं, कोई काम आगे नहीं बढ़ा। स्कूल जाने वाले बच्चों और बुजुर्गों को रोजाना दिक्कत होती है। मामले में नगर निगम अधिकारियों से बात की गई, तो उन्होंने टेंडर प्रक्रिया में देरी और मानसून को वजह बताया। हालांकि उन्होंने जल्द ही काम शुरू होने का आश्वासन दिया है। लोगों की मांग है कि नगर निगम तत्काल ड्रेनेज लाइन का काम शुरू करे और अधूरी पड़ी सड़कों की मरम्मत कराए, ताकि उन्हें राहत मिल सके। ऐसा नहीं होने पर लोगों को सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करना पड़ेगा।

चोरी-धोखाधड़ी के दौर में नागालैंड का ये गांव है विश्वास की अद्भुत मिसाल

आप भी घूमने जाएं

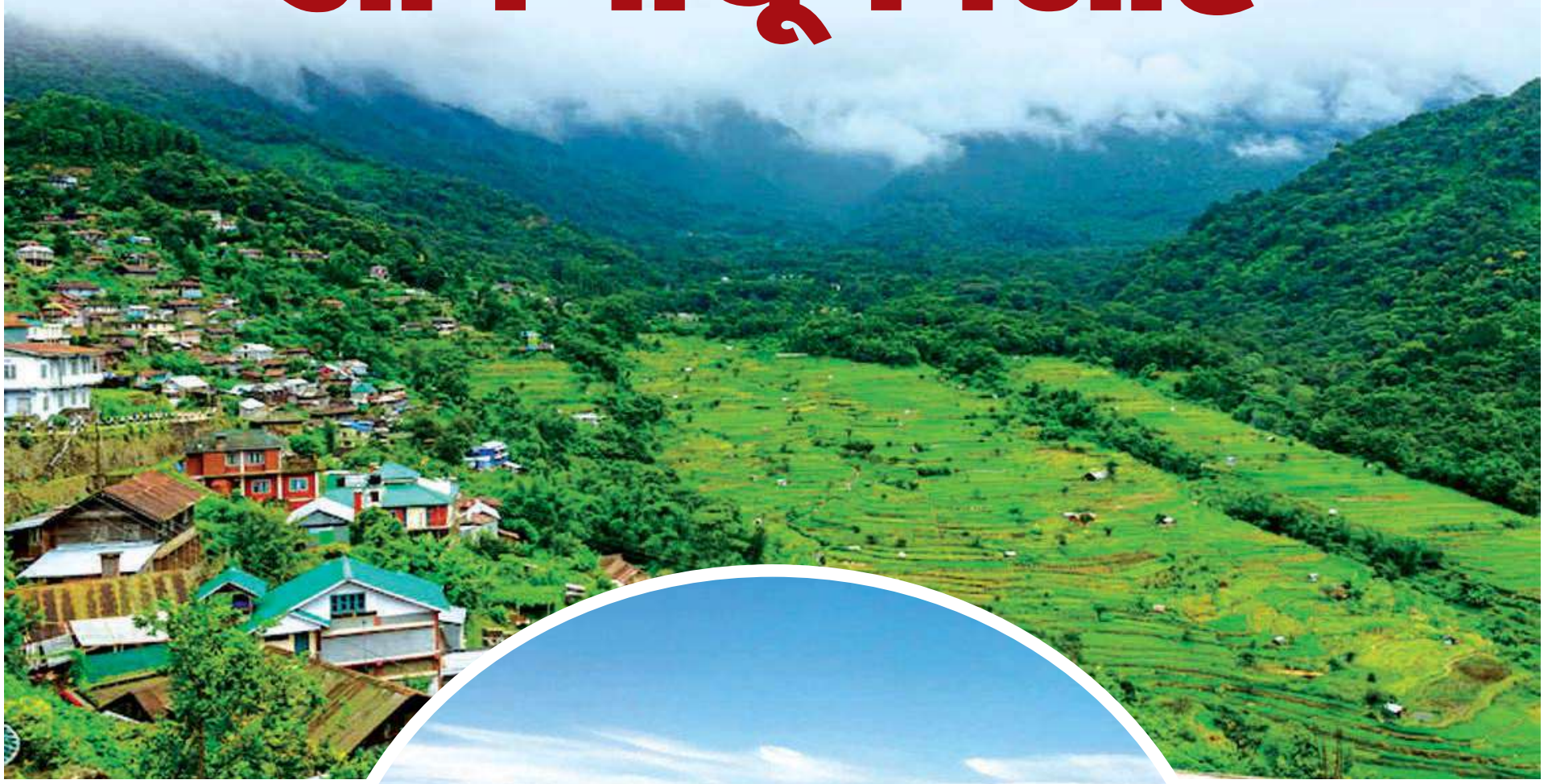

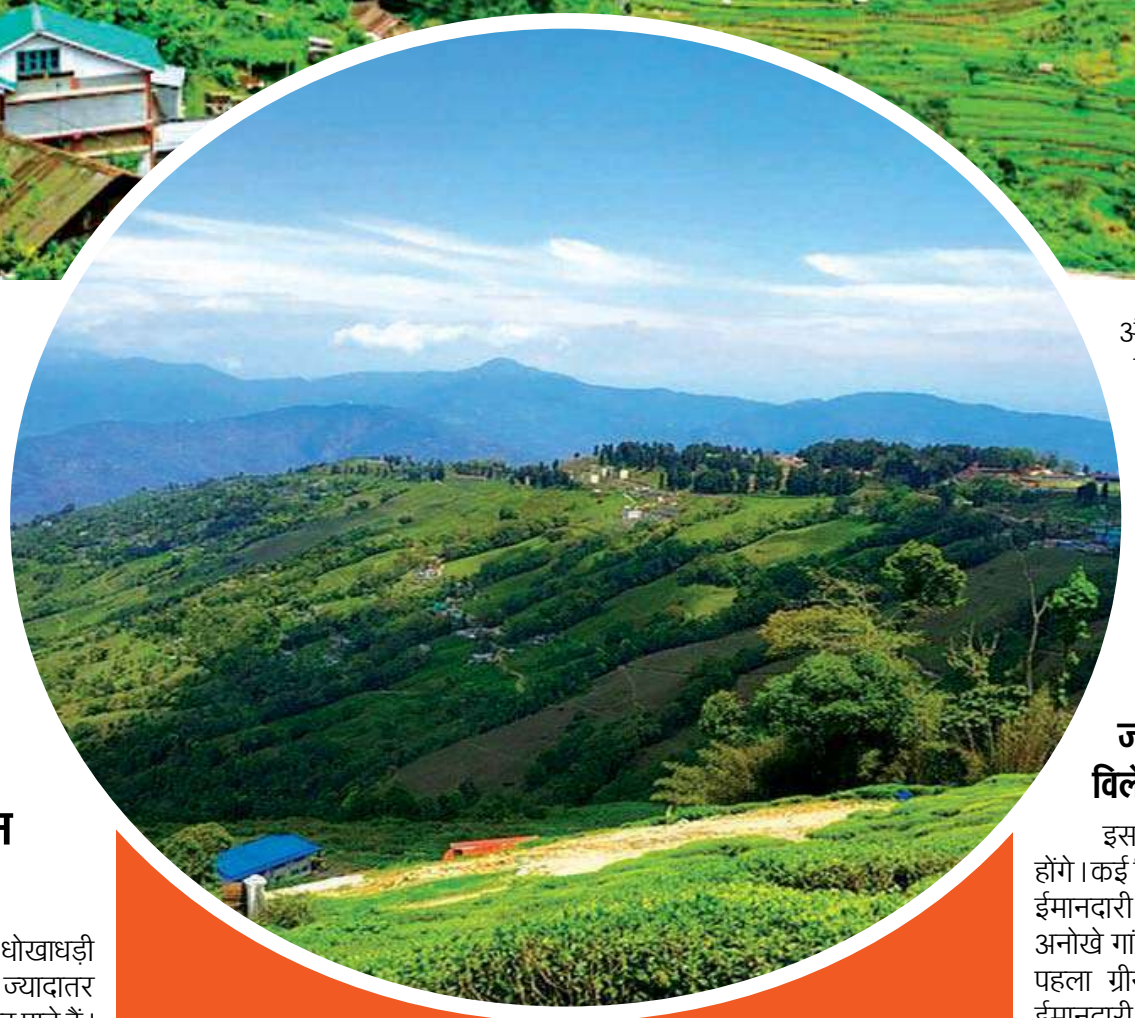

क्या आप जानते हैं भारत देश में एक ऐसा गांव हैं, जो सिर्फ और सिर्फ ईमानदारी पर चलता है। यहां के दुकानों पर कभी ताला नहीं लगता है, इसके बाद भी यहां पर चोरी नहीं होती है। इसके अलावा इस गांव को भारत का पहला ग्रीन विलेज भी कहा जाता है।

आजकल के समय में चोरी और धोखाधड़ी इतनी ज्यादा बढ़ गई है, जिसके कारण ज्यादातर लोग किसी पर आसानी से भरोसा नहीं कर पाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा गांव है, जहां पर दुकान या कोई भी चीज सिर्फ ईमानदारी के भरोसे पर चलती है। हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर दुकानों में ताले नहीं लगाए जाते हैं और इसके बाद भी यहां पर कभी चोरी नहीं होती है।

दुकानों पर नहीं लगते हैं ताले

भारत देश में एक ऐसा गांव है, जहां पर दुकान तो हैं, लेकिन इन दुकानों पर कोई दुकानदार नहीं है और न ही दुकानों पर ताला लगता है। इसके बाद भी लोग ईमानदारी के साथ दुकान से जरूरत का सामान लेकर पैसा रखकर चले जाते हैं। वैसे तो इस जमाने में ऐसा गांव या शहर मिलना काफी मुश्किल है। जहां पर दुकान तो हैं, लेकिन दुकानदार नहीं हैं और दुकानों पर ताले भी नहीं हैं। भारत के नागालैंड के खोनोमा गांव अपने भरोसे और विश्वास के लिए पूरे भारत में फेमस है।

नागालैंड का खोनोमा गांव

नागालैंड के खोनोमा गांव पूरे भारत में ईमानदारी के लिए फेमस है। इस गांव में बिना दुकानदार के सालों से दुकानें लगी हुई हैं। जहां पर आप अपनी जरूरत के हिसाब से सामान खरीद सकते हैं। हालांकि यह फ्री नहीं है आपने जितने का सामान लिया है, उतने पैसे दुकान पर रखकर जा सकते हैं। गांव का कोई भी दूसरा व्यक्ति उन पैसों को नहीं छुएगा और न ही कोई धोखा देकर ज्यादा सामान लेकर जाएगा।

जानिए भारत का पहला ग्रीन विलेज

इस गांव के बारे में जानकर हैरान रह गए होंगे। कई रिपोर्ट्स की मानें, तो इस गांव में सालों से ईमानदारी के भरोसे पर रह रहे हैं। नागालैंड के इस अनोखे गांव यानी की खोनोमा गांव को भारत का पहला ग्रीन विलेज भी कहा जाता है। जोकि ईमानदारी के लिए फेमस है। यह गांव अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए पूरे भारत में फेमस है।

नहीं हुई चोरी और न कोई गुनाह

बता दें कि इस गांव की ईमानदारी पूरे भारत में जानी जाती है। यहां पर इतने सालों से दुकानों में ताला नहीं लगता है। लेकिन इसके बाद भी यहां पर न तो आज तक चोरी हुई और न कोई गुनाह हुआ है। इस गांव के लोगों में आज भी इतनी ईमानदारी है कि लोग जितने का सामान खरीदते हैं, उतने पैसे दुकान में जमा कर देते हैं।

विद्या बालन ने बताया

आकर्षण के नियम की वजह से उन्हें मिली थी परिणीता

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म परिणीता कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं। विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी। इसमें उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म परिणीता मिली। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता भी नहीं था कि ब्रह्मांड ने अपना जादू चलाना शुरू कर दिया है। कुछ साल बाद मुझे दादा के साथ एक विज्ञापन फिल्म मिली और फिर किस्मत से मुझे उनके तीन म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। सबसे खास बात यह थी कि किस्सों की चादर एल्बम में काम करने का मौका मिला। इतना ही नहीं, आखिरकार दादा ने मुझे परिणीता में लॉन्च किया। आकर्षण के नियम को श्रेय देते हुए विद्या ने अंत में कहा, मुझे नहीं पता कि इसे आकर्षण का नियम कहा जा सकता है या नहीं, लेकिन मुझे पता है कि मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं, जैसे मैं जीवन में बहुत सी दूसरी चीजों के लिए हूं।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर

एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

बैन है या नहीं; दिल्ली में तो धड़ल्ले से बिक रहे पटाखे, सुको का आदेश भी नहीं आया

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश की राजधानी दिल्ली में दिवाली से पहले एक अलग असमंजस है। प्रदूषण को देखते हुए पटाखों पर लगने वाला बैन अभी तक सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नहीं आया है और दूसरी ओर ग्रीन पटाखों को जलाने की छूट को एक्सपर्ट्स सही नहीं मान रहे हैं। इस बीच दिल्ली के कई इलाके ऐसे हैं जहां खुलेआम पटाखों की बिक्री हो रही है। राजधानी के बाजारों में त्योहारी चहल-पहल कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

चांदनी चौक, जामा मस्जिद और सदर बाजार की यात्रा में यह पाया कि पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध होने के बावजूद, वे शहर के कई हिस्सों में खुलेआम बेचे जा रहे हैं। इस बीच, एनसीआर की रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशनों के अनुसार, पिछले हफ्ते बड़ी संख्या में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिसके चलते पटाखों की आवाज पहले ही पूरे एनसीआर की हवा में गूंजने लगी है। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने पटाखे बनाने वालों की ओर से लगाए गए स्थायी प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिकाओं पर अपना फ़ैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान, केंद्र सरकार ने यह सिफ़ारिश की थी कि पटाखों की बिक्री को केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों तक सीमित किया जाए और ऑनलाइन

प्लेटफ़ॉर्म को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री की सुविधा देने से रोका जाए।

रविवार और सोमवार को सदर बाजार की गलियां दिवाली की खरीदारी करने वालों से भरी हुई थीं, जिनमें से कई लोग चोरी-छिपे पटाखों के बारे में पूछताछ कर रहे थे और उन्हें ख़रीद भी रहे थे। कम से कम 10 विक्रेताओं को देखा जिनमें से तीन मुख्य सड़क पर थे, जो बम और फुलझड़ियों के पैकेट बेच रहे थे। इनमें से कुछ पैकेट टेबल के नीचे या मिठाई के कार्टन के पीछे छिपाकर रखे गए थे। नाम न छापने की शर्त पर सदर बाज़ार के एक 19 वर्षीय स्ट्रीट वेंडर ने बताया, हम बड़े पटाखे दिखाते नहीं हैं, उन्हें टेबल के नीचे रखा जाता है, लेकिन अगर कोई पूछता है, तो हम उन्हें चुपके से बेच देते हैं। इस विक्रेता ने दावा किया कि वह दिवाली की बिक्री के सिर्फ़ दो दिनों मेंअपनी पूरे महीने की सामान्य कमाई से ज्यादा पैसा कमा लेता है। उस वेंडर के अनुसार इलाके के क़रीब 15 विक्रेता वीकेंड पर एक दिन में 50,000 से 4 लाख तक कमा लेते हैं। इस तरह पूरे त्योहारों के दौरान वे सामूहिक रूप से 30 लाख से अधिक की कमाई करते हैं। रविवार को, ये विक्रेता दिल्ली पुलिस कर्मियों की नजरों से बचे रहे, जो भीड़ और ट्रैफ़िक को संभाल रहे थे। हालांकि, एक दूसरे विक्रेता ने बताया, पुलिस ने मुझे पटाखे बेचते हुए पकड़ लिया था और कुछ घंटों तक थाने में रखने के बाद छोड़ा। उसने आगे बताया कि उस जैसे छोटे विक्रेताओं को बड़े निर्माताओं पर लगे प्रतिबंध से कैसे फ़ायदा हो रहा है।

उस विक्रेता ने कहा, हम थोक विक्रेताओं से स्टॉक खरीदते हैं, जो प्रतिबंध के कारण सीधे माल नहीं बेच सकते। हम इसे 50-60त्न मुनाफ़े पर बेचते हैं। यह बताते हुए उसने 300 का एक ग्रीन क्रैकर पैकेट दिखाया, जिसकी क़ीमत असल दाम से 60त्न ज़्यादा थी। जहां जामा मस्जिद के गेट नंबर 3 के सामने पटाखों की दुकानें बंद थीं, वहीं बच्चे अपने माता-पिता के साथ उसी गली में पटाखों के पैकेट लिए घूम रहे थे।

टिकट के लिए अब काउंटरों पर लगने की जरूरत नहीं ! दिल्ली के स्टेशनों पर है खास इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों का मौसम आते ही नॉर्दर्न रेलवे ने यात्रियों के लिए कमर कस ली है। दिवाली और छठ की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने खास इंतजाम शुरू कर दिए। इस बार नई दिल्ली और आनंद विहार स्टेशनों के साथ-साथ शकूरबस्ती स्टेशन से भी पहली बार स्पेशल ट्रेनें रवाना होंगी। शकूरबस्ती में यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थायी होल्डिंग एरिया भी तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा अनरिजर्व टिकट लेने की प्रक्रिया को और आसान बनाने के लिए रेलवे कई नई सुविधाएं ला रहा है। रेलवे ने यात्रियों की सहूलियत के लिए कई अनोखे कदम उठाए हैं। अब टिकट लेना और भी आसान होगा, क्योंकि मोबाइल यूटीएस (अनरिजर्व टिकटिंग सिस्टम) की सुविधा शुरू की गई है। यह एक तरह का चलता-फिरता टिकट काउंटर है, जो आपको लंबी लाइनों से बचाएगा। नई दिल्ली स्टेशन पर 7000 लोगों की क्षमता वाला एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया है, जिसमें तीन अलग-अलग जोन हैं। टिकट लेने से पहले का जोन, टिकट लेने के बाद का जोन और टिकटिंग एरिया। नई दिल्ली स्टेशन के अजमेरी गेट की ओर 21 यूटीएस काउंटर, 20 अतिरिक्त टिकट काउंटर और एक पूछताछ काउंटर तैयार किया गया है।

दिल्ली की एसएयू में छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न, पुलिस ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के दक्षिणी इलाके में स्थित साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में एक छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की घटना सामने आई है। पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए इसकी शिकायत मिली। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे मैदांगढ़ी पुलिस स्टेशन पर एक पीसीआर कॉल आया, जिसमें पीड़िता के किसी परिचित ने यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, छात्रा को अभी काउंसलिंग दी जा रही है और उसका बयान दर्ज होना बाकी है। एक अधिकारी ने बताया, हमने एफआईआर दर्ज कर ली है और हर एंगल से जांच कर रहे हैं। फिलहाल और डिटेल्स का इंतजार है, लेकिन यह घटना कैंपस की सुरक्षा व्यवस्था पर उंगली उठा रही है। इस तरह का ये पहला मामला नहीं है। 6 अक्टूबर को आदर्श नगर इलाके के एक होटल में हरियाणा की 18 साल की एमबीबीएस छात्रा के साथ कथित बलात्कार हुआ। पीड़िता, जो दिल्ली में पढ़ाई कर रही है, ने पुलिस को बताया कि जिंद (हरियाणा) का रहने वाला आरोपी उसे पार्टी के बहाने होटल ले गया, नशीला पदार्थ पिलाया, कमरे में बंद किया और फिर उसका शोषण किया।

बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो लाइन की डीपीआर तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद से सटे पलवल जिले के लोगों के लिए अब दिल्ली दूर नहीं होगी। बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनकर तैयार हो चुकी है। मेट्रो चलाने के लिए जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा। यह जानकारी राज्य खेल मंत्री गौरव गौतम में हरियाणा सरकार के मैगपाई टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान दी।

बता दें कि अभी बदरपुर बॉर्डर से बल्लभगढ़ स्टेशन तक मेट्रो जाती है। राज्य खेल मंत्री गौरव गौतम ने बताया कि डीपीआर में बल्लभगढ़ से पलवल तक कितने स्टेशन स्टेशन बनाए जाएंगे, इसकी जानकारी नहीं है। डीपीआर की फाइल अभी अधिकारियों के पास ही है। मेट्रो के पलवल तक पहुंचने के बाद वहां के लोगों की दिल्ली-फरीदाबाद के अलावा नोएडा,

गाजियाबाद से भी कनेक्टिविटी बेहतर होगी। पलवल में बेहतर सार्वजनिक सुविधा के नाम पर दैनिक यात्री ट्रेन और हरियाणा रोडवेज की बसें ही है। मेट्रो चलने से सबसे अधिक लाभ दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्रों के अलावा फरीदाबाद, दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में नौकरी करने वालों को होगा। मेट्रो चलने से दैनिक यात्रियों की यात्रा सुगम होगी। इसके अलावा सड़क के ट्रैफिक जाम और मौसम की वजह से होने वाली लेट लतीफी से भी छुटकारा मिल जाएगा। एक अनुमान के अनुसार, पलवल से करीब तीन से चार हजार विद्यार्थी दिल्ली यूनिवर्सिटी के विभिन्न कॉलेज के अलावा उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ते हैं। इसके अलावा आठ से नौ हजार लोग दिल्ली व उससे लगते जिलों में नौकरी करते हैं। इसके साथ ही हजारों की संख्या में लोग अपने व्यापार संबंधी कार्यों से दिल्ली जाते हैं। मेट्रो चलने से इन सभी को काफी लाभ मिलेगा। पलवल के लोगों की भी विभिन्न जिलों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी। एचएमआरटीसी के प्रबंध निदेशक चंद्रशेखर खरे ने कहा कि रूट की भौगोलिक स्टडी का कार्य अंतिम चरण में है। इसमें देखा जाएगा कि कितने लोग मेट्रो से सफर कर सकते हैं। रूट कहां से निकाला जाएगा। परियोजना पर जल्द काम शुरू किया जाएगा। फरीदाबाद से गुरुग्राम की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए मेट्रो शुरू किए जाने की योजना पर कई वर्षों से योजना पर काम चल रहा है।

हमास की कैद में एकमात्र हिंदू बंधक बिपिन जोशी की मौत

येरुशलम, एजेंसी। हमास की ओर से बंधक बनाए गए नेपाली हिंदू छात्र बिपिन जोशी का शव इजरायल को लौटा दिया गया है। 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायल पर किए गए हमले के दौरान उसका अपहरण कर लिया गया था। अटैक के वक्त जोशी ने अपनी बहादुरी से कई सहपाठियों की जान बचाई थी। सोमवार को गाजा में संघर्ष विराम समझौते के बाद उसकी मृत्यु की पुष्टि ऐसे समय हुई, जब 20 जीवित बंधकों की रिहाई पर उत्सव का माहौल था। बंधक बनाए जाने के कुछ दिनों बाद इजरायली सेना की ओर से वीडियो फुटेज जारी किया गया, जिसमें जोशी को गाजा के शिफा अस्पताल में घसीटते हुए दिखाया गया था। हमास के लड़ाकों ने जब हमला किया, तब 22 वर्षीय बिपिन जोशी नेपाल से गाजा सीमा के पास किबुत्ज अलुमिम गए थे। यहां वह खेती-किसानी को लेकर ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए आए थे। जोशी गाजा में जीवित माने जाने वाले एकमात्र गैर-इजरायली और हिंदू बंधक थे। नेपाल के इजरायल में राजदूत धन प्रसाद पंडित ने रिपब्लिका को उनकी मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सोमवार देर रात हमास ने जोशी के शव को इजरयइली अधिकारियों को सौंप दिया। पंडित ने कहा, बिपिन जोशी का शव हमास ने इजरायली अधिकारियों को सौंपा है और इसे तेल अवीव ले जाया जा रहा है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने कहा कि हमास ने बिपिन जोशी सहित 4 बंधकों के शव लौटाए हैं। उनके शव को नेपाल भेजने से पहले डीएनए टेस्ट किया जाएगा। उम्मीद है कि उनका अंतिम संस्कार नेपाली दूतावास के सहयोग से इजरायल में किया जाएगा। जोशी की इजरायल यात्रा सितंबर 2023 में शुरू हुई, जब वह 16 अन्य छात्रों के साथ किबुत्ज अलुमिम गए थे। यह पहल नेपाली छात्रों को इजरायली कृषि तरीकों के बारे ट्रेनिंग देने के लिए की गई थी। 7 अक्टूबर की सुबह हमास आतंकवादियों ने अचानक हमला कर दिया। छात्रों ने बम बंकर में शरण ली। जब बंकर के अंदर ग्रेनेड फेंके गए तो जोशी ने एक जिंदा ग्रेनेड को पकड़कर बाहर फेंक दिया, जिससे कई लोगों की जान बच गई। हालांकि, हमले में वह घायल हो गए और बाद में हमास के बंदूकधारियों ने उन्हें पकड़ लिया।

● हमास ने किया था किडनैप

गले लगाया, किस किया... 738 दिन बाद हमास की कैद से छूटे कपल का वीडियो वायरल

गाजा, एजेंसी।
2 साल यानी 738 दिन या 17,712 घंटे बाद जब एक कपल आपस में मिला, तो दोनों की खुशी का ठिकाना नहीं था। दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाते हुए किस करना शुरू कर दिया। यह वीडियो इजरायल से सामने आया है और प्रेमिका को गले लगाकर झूमने वाला व्यक्ति पिछले 2 साल से हमास की कैद में था।

इजरायल और हमास के बीच शांति समझौते के बीच हमास ने 20 इजरायली बंधकों को रिहा किया है। इस लिस्ट में एक नाम अविनातन का भी शामिल है। 7 अक्टूबर 2025 को इजरायल पर हमले के बाद हमास ने अविनातन और अर्गमानी को भी बंदी लिया था।

इजरायली डिफेंस फोर्स ने अर्गमानी को पिछले साल रिहा करवा लिया था, लेकिन अविनातन हमास के कब्जे में था। हालांकि, अब हमास ने 20 बंधकों के साथ अविनातन को भी छोड़ दिया है। अविनातन और

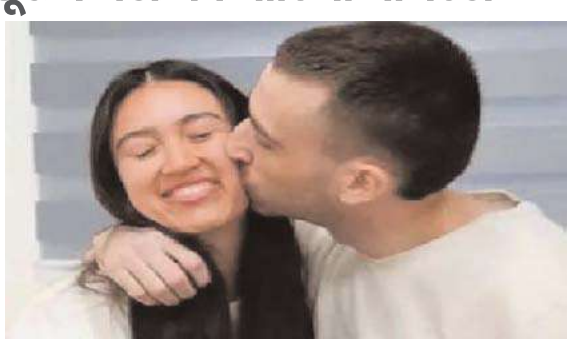

अर्गमानी के मिलने का वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों एक-दूसरे के साथ खुशी से झूमते दिखाई दे रहे हैं।

दरअसल 7 अक्टूबर 2023 को अर्गमानी और अविनातन नोवा संगीत समारोह में पहुंचे थे। इसी बीच हमास ने इजरायल पर हमला कर दिया। हमले के बाद पूरे समारोह में भगदड़ मच गई और कपल अलग हो गया।

हमास के लड़ाके अर्गमानी को बाइक पर जबरन बैठाकर अपने साथ गाजा ले गए। अर्गमानी लगातार अविनातन के बारे में पूछ रही थी, उसे नहीं पता था कि अविनातन क साथ क्या हुआ? अविनातन जिंदा भी है या नहीं और अगर है तो कहां है?

पिछले साल रिहा हुई थीं अर्गमानी: चीनी मूल की इजरायली नागरिक अर्गमानी को आइडीएफ ने पिछले साल 245 दिनों की कैद के बाद रिहा करवाया। तभी से अर्गमानी इजरायल के बंधकों को छोड़ने की गुहार लगा रही हैं। गाजा से वीडियो सामने आने के बाद अर्गमानी को पता चला कि अविनातन हमास की कैद में है।